दिनांक 14.09.2018 को उलीझारी, चाईबासा से गुवा ट्रान्समिशन लाईन निर्माण हेतु वन भूमि अपयोजन प्रस्ताव का स्थल निरीक्षण प्रतिवेदन।

दिनांक 14.09.2018 को उलीझारी, चाईबासा, गुवा ट्रान्समिशन लाईन निर्माण हेतु समर्पित किये गये वन भूमि अपयोजन प्रस्ताव का स्थलीय निरीक्षण किया गया। यह प्रस्ताव झारखण्ड ऊर्जा संचरण निगम लि० के अधीक्षण अभियंता, संचरण अंचल, चाईबासा (प्रयोक्ता अभिकरण) द्वारा समर्पित किया गया है। यह परियोजना तीन वन प्रमण्डलों यथा चाईबासा, सारण्डा तथा कोल्हान वन प्रमण्डल से संबंधित है। चाईबासा वन प्रमण्डल में इस परियोजना हेतु कुल 42.148 हे० वनभूमिं (30.374 हे० सुरक्षित वन एवं 11.774 हे० जंगल झाड़ी) के अपयोजन हेतु प्रस्ताव दिया गया है।

दिनांक 14.09.2018 को स्थलीय निरीक्षण के समय प्रयोक्ता अभिकरण के प्रतिनिधि श्री विजय कुमार, सहायक कार्यपालक अभियंता, उलीझारी Sub-station, JUSNL, Chaibasa. श्री निशान्त पाल, कनीय अभियंता, उलीझारी Sub-station एवं अन्य कर्मचारी तथा वन क्षेत्र पदाधिकारी, नोवामुण्डी प्रक्षेत्र एवं अन्य वन कर्मी उपस्थित थे। चाईबासा वन प्रमण्डल में वनभूमि तथा जंगल झाड़ी के अन्तर्गत विभिन्न स्थलों पर इस परियोजना के टावर संख्या AP 30/0 से टावर संख्या AP 88/0 तक कुल 47 टावर प्रस्तावित है। प्रस्तावित टावर संख्या 88 का स्थल इस प्रमण्डल के बोकना PF में पड़ता है तथा यहाँ से आगे की ओर अगला टावर सारण्डा वन प्रमण्डल के अन्तर्गत प्रस्तावित है।

इस प्रमण्डल के बोकना PF, बड़ाजामदा PF, खासजामदा मौजा, सिलपुंजी मौजा आदि में प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया गया।

25/09/2018.

निरीक्षण के समय पाया गया कि कुछ प्रस्तावित स्थलों पर वन क्षेत्र में घना जंगल है जबकि कुछ अन्य स्थलों पर अधिकांशतः झाड़ियों एवं Pole प्रकार के क्षेत्रों का वन अवस्थित हैं। प्रयोक्ता अभिकरण के प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि प्रत्येक मौजा में पड़ने वाले वृक्षों की गणना सूची अलग–अलग तैयार की गई है एवं स्थल निरीक्षण के समय ग्रामीणों एव वनकर्मियों द्वारा बताया गया कि प्रस्तावित परियोजना स्थल के वन क्षेत्र में हाथी, भालू, सियार कोटरा (Barking Deer) आदि वन्यप्राणी पाये जाते है। इस परियोजना अन्तर्गत पड़ने वाले वनभूमि के 10 कि०मी० त्रिज्या में कोई राष्ट्रीय उद्यान/वन्यप्राणी आश्रयणी/बाध आरक्ष/जैव विविधता आरक्ष अवस्थित नहीं है। परन्तु पश्चिमी सिहभूम जिला अन्तर्गत सभी वनों को सिंहभूम गज आरक्ष के रूप में घोषित किया गया है।

25/09/2018

वन प्रमण्डल पदाधिकारी
चाईबासा वन प्रमण्डल, चाईबासा।